RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 11 | अंक-23 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 09 जुलाई से 15 जुलाई 2024 | पृष्ठ-8 | मूल्य -2

उत्तराखंड ने खो दिए अपने पांच लाल...हर आंख नम, जौलीग्रांट लाए जा रहे पार्थिव शरीर

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में हुए आतंकी हमले में उत्तराखंड ने अपने पांच लाल खो दिए। जवानों के पार्थिव शव जौलीग्रांट एयरपोर्ट लाए जा रहे हैं। सरकार की ओर से मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल एयरपोर्ट जा रहे हैं। खबर के बाद से पूरे प्रदेश में शोक की लहर है। हर किसी की आंख नम है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आतंकी हमले में पांच जवानों के वीरगति को प्राप्त होने पर सीएम धामी ने कहा कि यह हम सभी प्रदेशवासियों के लिए अत्यंत पीड़ा का क्षण है क्योंकि हमने भाई और बेटा भी खोया है। हमारे रणबाँकुरों ने उत्तराखंड की समृद्ध सैन्य परंपरा का पालन करते हुए मां भारती के चरणों में अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

बम-बंदूक और गोलियों के बीच शांति वार्ता संभव नहीं, बातचीत के रास्ते पर चलना होगा; पुतिन से बोले पीएम मोदी

मास्को । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने द्विपक्षीय वार्ता के दौरान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कहा कि भारत शांति के पक्ष में है। शांति सबसे अधिक जरूरी है। बम-बारूद हल नहीं निकाल सकते हैं। पीएम मोदी ने आतंकवाद के मुद्दे पर भी खुलकर अपनी बात कही। उन्होंने कहा कि आतंकवाद हर देश के लिए खतरनाक है। भारत पिछले 40-50 सालों से आतंकवाद को झेल रहा है।

मॉस्को। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई। इस दौरान दोनों नेताओं ने युद्ध, आतंकवाद और शांति बहाली पर चर्चा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत शांति बहाली के लिए हर तरह से सहयोग करने को तैयार है।

मोदी ने कहा कि विश्व समुदाय को आश्वस्त करता हूं कि भारत शांति के पक्ष में है। कल अपने मित्र पुतिन को शांति के बारे में बात करते सुना। इससे मुझे उम्मीद बंधी है। पीएम मोदी ने कहा कि शांति बहाल करना संभव है।

बातचीत के रास्ते पर चलना होगा

पीएम मोदी ने कहा कि एक मित्र के तौर पर मैंने हमेशा कहा है कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शांति अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन मैं यह भी जानता हूं कि युद्ध के मैदान में समाधान संभव नहीं है। बम, बंदूक और गोलियों के बीच समाधान और शांति वार्ता सफल नहीं होती। हमें बातचीत के जरिए ही शांति के रास्ते पर चलना होगा

दिल्ली शराब घोटाला केस बढ़ सकती हैं सीएम केजरीवाल की मुश्किलें, कोर्ट ने जारी किया प्रोडक्शन वारंट

दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में सीएम अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। अब कोर्ट ने उनके खिलाफ प्रोडक्शन वारंट जारी किया है।

दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ ईडी द्वारा दायर ताजा आरोपपत्र पर संज्ञान लिया। स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी को 12 जुलाई के लिए प्रोडक्शन वारंट भी जारी किया है। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को आबकारी नीति के संबंध में दायर सातवें पूरक आरोप पत्र पर संज्ञान लेते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के लिए प्रोडक्शन वारंट जारी किया।

विनोद चौहान के खिलाफ भी प्रोडक्शन वारंट जारी

कोर्ट ने ईडी द्वारा विनोद चौहान के खिलाफ दायर पूरक आरोपपत्र पर भी संज्ञान लिया और 12 जुलाई को कोर्ट के समक्ष उनकी उपस्थिति के लिए उनके खिलाफ भी प्रोडक्शन वारंट जारी किया। ईडी ने इस चार्जशीट में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी को आरोपी बनाया था। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने आरोप पत्रों पर संज्ञान लेते हुए कहा कि आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ आगे बढ़ने के लिए रिकॉर्ड पर पर्याप्त सामग्री है और मामले को 12 जुलाई को सूचीबद्ध किया गया है, जब सभी आरोपियों को अदालत के सामने पेश किया जाएगा।

इस राज्य के छात्रों पर HIV का कहर, अब तक 828 पाए गए पॉजिटवि, 47 की मौत

इंजेक्शन वाली दवाएं ले रहे हैं छात्र

त्रिपुरा के स्कूल में स्टूडेंट्स को ढ्ढष्ठस् बीमारी होने का गंभीर मामला सामने आया है. त्रिपुरा राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी (ञ्जस्स्श्वस्) के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, त्रिपुरा में एचआईवी से 47 लोगों की मौत हो चुकी हैं और 828 छात्र एचआईवी पॉजिटिव पाए गए हैं.

त्रिपुरा के स्कूल में स्टूडेंट्स को AIDS बीमारी होने का गंभीर मामला सामने आया है. त्रिपुरा राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी (ञ्जस्स्श्वस्) के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, त्रिपुरा में एचआईवी से 47 लोगों की मौत हो चुकी हैं और 828 छात्र एचआईवी पॉजिटिव पाए गए हैं. ञ्जस्स्श्वस् के ज्वॉइंट डायरेक्टर का कहना है कि स्कूलों के छात्र नशीले पदार्श का भारी मात्रा में सेवन कर रहे हैं.

HIV के इन आंकड़ों को लेकर ञ्जस्स्श्वस् के अधिकारी ने कहा कि हमने अब तक 828 छात्रों को HIV पॉजिटिव में रजिस्टर किया है. उनमें से 572 छात्र बीमारी से अभी भी ग्रस्त हैं और इस खतरनाक संक्रमण के कारण 47 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं. कई छात्र देश भर के प्रतिष्ठित संस्थानों में उच्च शिक्षा के लिए त्रिपुरा से बाहर चले गए हैं. त्रिपुरा एड्स नियंत्रण सोसाइटी ने 220 स्कूलों और 24 कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में ऐसे छात्रों की पहचान की है जो इंजेक्शन वाली दवाएं लेते हैं. ऐसे में अगर किसी एचआईवी संक्रमित छात्र द्वारा पूर्व में इस्तेमाल इंजेक्शन को दूसरा छात्र लगा लेता है तो इस बीमारी का फैलना संभव है. इतना ही नहीं, हालिया आंकड़ों से पता चलता है कि लगभग हर दिन एचआईवी के पांच से सात नए मामले सामने आ रहे हैं.

12 जुलाई को हाथरस मामले पर होगी सुप्रीम सुनवाई, कोर्ट ने इन लोगों घसीटा

उत्तर प्रदेश के हाथरस में बाबा साकार हरि के सत्संग में आए श्रद्धालुओं के बीच भगदड़ मच गई थी। इस भगदड़ में 121 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी।

हाथरस भगदड़ मामले में बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। इस पर अब 12 जुलाई को सुनावई तय की गई है। याचिका में 5 सदस्यीय समिति गठित कर मामले की जांच की मांग की गई है। इसके अलावा, निकट भविष्य में इस तरह की घटना ना हो। इसके लिए विभिन्न राज्यों को दिशानिर्देश जारी करने की भी मांग की गई है। याचिका में घटना में शामिल आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए कहा गया है। सीजेआई ने कहा कि हमने मामले को सूचीबद्ध कर लिया है।

संपादकीय

एक और हिट एंड रन, नेता पुत्र की गैरजिम्मेदारी

रविवार को मुंबई में सत्तारूढ़ दल के नेता पुत्र की क्रस्ङ्ख कार ने एक टू-वीलर को टक्कर मारी, जिससे पीड़ित 100 मीटर तक घिटसटती रही। आरोपी के फरार होने से रसूखदारों की संवेदनहीनता उजागर होती है। यह घटना पुणे के पोर्शे केस की याद दिलाती है। देश की वित्तीय राजधानी मुंबई में रविवार को तड़के जिस तरह से मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की पार्टी के एक नेता पुत्र की BMW कार ने एक टू-वीलर को पीछे से टक्कर मारी, उस पर सवाल उठने लाजिमी हैं। हालांकि मुख्यमंत्री ने तत्काल आगे बढ़कर यह स्पष्ट किया कि इस मामले में किसी तरह की ढिलाई नहीं होने दी जाएगी। फिर भी इस पूरे मामले में कई बातें गौर करने लायक हैं।

पुणे का पोर्शे केस

मुंबई के इस हिट एंड रन केस ने करीब दो महीने पहले पुणे में हुए बहुचर्चित मामले की याद दिला दी। उस मामले में नशे में गाड़ी चलाते हुए बाइक सवार युवक-युवती को रौंदने के नाबालिग आरोपी को दी गई निबंध लिखने की सजा ने काफी चर्चा बटोरी थी। कहा गया कि कानूनी तंत्र एक जाने माने बिल्डर के उस बेटे के साथ वैसी सख्ती नहीं दिखा सका, जैसी इस तरह के मामलों में दिखाई जानी चाहिए।

इरादों का सवाल

ताज्जुब नहीं कि मुंबई हिट एंड रन केस की खबर आते ही लोगों के मन में पहला सवाल यही उठा कि चूंकि विक्टिम सामान्य परिवार के हैं और आरोपी सत्तारूढ़ दल के एक नेता के परिवार का, तो कहीं इस मामले में भी सरकारी तंत्र घुटने न टेक दे। शायद इसीलिए खुद मुख्यमंत्री ने बयान जारी कर ऐसी आशंकाओं को खारिज करने की कोशिश की। लेकिन शुरुआती सूचनाओं के मुताबिक जिस तरह से स्कूटर पर सवार महिला टक्कर के बाद कार के बोनट पर आ गई, करीब 100 मीटर तक घिटसती गई, फिर भी क्रस्ङ्ख पर सवार लोग वहां रुकने के बजाय निकल भागे, उससे उनके इरादों पर सवाल खड़ा होता है।

न्याय संहिता के प्रावधान

सड़क हादसे वैसे भी अपने देश में एक बड़ा मसला रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 2022 में 1.68 लाख से ज्यादा लोग इनकी भेंट चढ़ गए। सिर्फ हिट एंड रन केसों की बात की जाए तो भी नैशनल क्राइम रेकॉर्ड्स ब्यूरो के मुताबिक 2022 में दर्ज 47,806 घटनाओं में 50,815 लोगों की मौत हुई। इस संदर्भ में भारतीय न्याय संहिता के कड़े प्रावधान खास तौर पर चर्चा में हैं जिनके संभावित फायदों और नुकसानों पर बहस जारी है।

रसूखदारों की संवेदनहीनता

समझना होगा कि पुणे और मुंबई जैसे मामले आम मामलों की तरह नहीं हैं। इनका एक खास पहलू है समाज के रसूखदार हिस्से में जड़ जमाती जा रही संवेदनहीनता और गैरजिम्मेदारी की भावना। इस हिस्से में न केवल कानून और प्रशासन के साथ किसी भी तरह का खिलवाड़ करके बच निकलने का भरोसा बना हुआ है, बल्कि अपने ही देश के अपेक्षाकृत कमजोर सामाजिक आर्थिक स्थितियों में रह रहे लोगों के प्रति आपराधिक उपेक्षा भाव भी है। इन दोनों प्रवृत्तियों के बने रहते हुए हालात में किसी तरह के सुधार की उम्मीद नहीं की जा सकती।

संपादक-
गोपाल गावंडे

राजनीति

आबादी के असंतुलन को लेकर RSS की चिंता बेवजह नहीं है

आरएसएस की वीकली मैगजीन ऑर्गेनाइजर ने एक बार फिर जनसंख्या असंतुलन को मुद्दा बनाया है. क्या सरकार इस संबंध में कानून बनाने का विचार कर रही है? पर सवाल यह है कि क्या वाकई भारत को जनसंख्या असंतुलन को रोकने के लिए जनसंख्या नियंत्रण क़ानून जैसे किसी उपाय की ज़रूरत है ?

आरएसएस ने एक बार फिर अपनी वीकली मैगजीन ऑर्गेनाइजर के जरिए देश में नई जनसंख्या नीति पर चर्चा की है. इसके पहले भी कई मौकों पर आरएसएस यह कहता रहा है कि देश की एक समान जनसांख्यिकीय योजना न होने के चलते देश पर आबादी के असंतुलन का खतरा मंडरा रहा है जो भारतीय लोकतंत्र के लिए खतरे का संकेत है.अपनी नवीनतम कवर स्टोरी में ऑर्गनाइज़र एक राष्ट्रीय जनसंख्या नीति पर जोर देते हुए लिखता है कि न केवल हिंदुओं की तुलना में बढ़ती मुस्लिम आबादी बल्कि उत्तर भारत की तुलना में दक्षिण और पश्चिम में घटती जनसंख्या की स्थिति भी चिंतनीय विषय है. दरअसल पीएम नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के दौरान लोकसभा क्षेत्रों के परिसीमन होने की उम्मीद है. मैगजीन में इस परिसीमन के चलते दक्षिणी राज्यों को होने वाले नुकसान को भी रेखांकित किया गया है.

जाहिर है कि बीजेपी के लिए यह बहुत कठिन होगा. क्योंकि उत्तर भारत में सीटें बढ़ने से बीजेपी को फायदा होना तय है. इसके साथ ही दक्षिण भारत की सीटें उत्तर भारत की तुलना में कम होने पर दक्षिण की पार्टियां इसे मुद्दा बनाएंगी. जबकि बीजेपी दक्षिण विजय की कगार पर है. ऑर्गेनाइज़र संपादकीय और कवर स्टोरी 22 जुलाई को 18वीं लोकसभा के पहले बजट सत्र के शुरू होने से कुछ हफ्ते पहले आई है. फरवरी में अंतरिम बजट भाषण में, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस पर विचार करने के लिए एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति गठित करने की योजना की घोषणा की थी. हालांकि तीव्र जनसंख्या वृद्धि और जनसांख्यिकीय परिवर्तनों से उत्पन्न चुनौतियां पर विचार करने के लिए अभी तक किसी कमेटी का गठन नहीं हुआ है. इसके पहले 31 मई 2022 को तत्कालीन खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री प्रहलाद पटेल ने रायपुर में कहा कि जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए एक क़ानून जल्द लाया जाएगा. इस बीच उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने पिछले साल जनसंख्या नियंत्रण करने वाला कानून बना भी दिया है . पर सवाल यह है कि क्या वाकई भारत को जनसंख्या नियंत्रण कानून की ज़रूरत है भी?

1-उत्तर बनाम दक्षिण का जनसंख्या असंतुलन

परिसीमन के बारे में विपक्षी दलों, विशेष रूप से दक्षिण भारत के लोगों ने संसद में इसे लेकर पहले ही चिंता व्यक्त करते रहे हैं. ऑर्गेनाइजर के संपादक प्रफुल्ल केतकर लिखते हैं कि क्षेत्रीय असंतुलन एक और महत्वपूर्ण आयाम है जो भविष्य में संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों की परिसीमन प्रक्रिया को प्रभावित करेगा. पश्चिम और दक्षिण के राज्य जनसंख्या नियंत्रण उपायों के संबंध में अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं और इसलिए, जनगणना के बाद जनसंख्या कम होने पर पर संसद में इन राज्यों को कुछ सीटें खोने का डर है.

केतकर तर्क देते हैं कि देश में सामाजिक-आर्थिक असमानताओं और राजनीतिक संघर्ष जन्म न लें इसलिये यह सुनिश्चित करने के लिए एक नीति की आवश्यकता है कि जनसंख्या वृद्धि किसी भी धार्मिक समुदाय या क्षेत्र पर असमान रूप से प्रभाव न डाले. केतकर जो कह रहे हैं वह यूं ही नहीं है. दक्षिण और पश्चिम के राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण में बेहतर काम किया है इसके एवज में उन्हें पुरस्कार मिलना चाहिए था पर ऐसा लगता है कि परिसीमन में उनके साथ अन्याय हो जाएगा.

पिछले साल महिला आरक्षण विधेयक पर संसद में बहस के दौरान परिसीमन प्रक्रिया पर डीएमके ने गंभीर चिंता व्यक्त की थी. डीएमके सांसद कनिमोझी ने तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन का एक बयान पढ़ा, जिसमें कहा गया था, यदि जनसंख्या जनगणना पर परिसीमन होने जा रहा है, तो यह दक्षिण भारतीय राज्यों के प्रतिनिधित्व को और कम कर देगा. कनिमोझी का समर्थन करते हुए, तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा था कि आंकड़ों के अनुसार, केरल की सीटों में शून्य प्रतिशत की वृद्धि होगी, तमिलनाडु के लिए केवल 26त्न, लेकिन एमपी और यूपी दोनों के लिए 79त्न की भारी वृद्धि होगी.

2-धर्म आधारित जनसंख्या असंतुलन

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अक्तूबर 2022 में जनसंख्या नीति पर जोर देते हुए कहा कि जनसंख्या में संतुलन बिगड़ने का परिणाम है कि इंडोनेशिया से ईस्ट तिमोर, सूडान से दक्षिण सूडान और सर्बिया से कोसोवो नाम से नए देश बन गए. जनसंख्या नीति गंभीर मंथन के बाद तैयार करना चाहिए और इसे सभी पर लागू करना चाहिए.मोहन भागवत ने नागपुर में कहा था कि जनसंख्या पर एक समग्र नीति बनाए जाने की जरूरत है. यह सब पर समान रूप से लागू हो, किसी को छूट नहीं मिले, ऐसी नीति लानी चाहिए.मोहन भागवत ने कहा कि चीन को जब लगा कि जनसंख्या बोझ बन रही है तो उसने रोक लगा दी.जनसंख्या असंतुलन से भौगोलिक सीमाओं में परिवर्तन होता है. जन्म दर में अंतर के साथ-साथ बल, लालच और घुसपैठ ये सब धर्मांतरण के भी बड़े कारण हैं.

ऑर्गेनाइजर का यह लेख भागवत के उसी भाषण के विस्तार जैसा है. संघ प्रमुख की चिंता को ही एक बार फिर सामने ला रहा है. केतकर लिखते हैं कि राष्ट्रीय स्तर पर जनसंख्या स्थिर होने के बावजूद, यह सभी धर्मों और क्षेत्रों में समान नहीं है. कुछ क्षेत्रों, विशेषकर सीमावर्ती जिलों में मुस्लिम जनसंख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है.लोकतंत्र में जब संख्या बल प्रतिनिधित्व के संबंध में महत्वपूर्ण हो जाता है तब जनसांख्यिकी चुनावों में प्रत्याशी के किस्मत का फैसला करती है. इसलिए हमें इस प्रवृत्ति के प्रति और भी अधिक सतर्क रहना चाहिए.

हालांकि इंडियन एक्सप्रेस ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि दोनों समुदायों (हिंदू और मुसलमानो) की जन्म दर उत्तरोत्तर समान हो रही है. 1991 से 2011 के बीच मुसलमानों की दशकीय वृद्धि दर में गिरावट हिंदुओं की तुलना में अधिक दर्ज की गई है. राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़ों के अनुसार, पिछले दो दशकों में सभी धार्मिक समुदायों के बीच मुसलमानों की प्रजनन दर में सबसे तेज गिरावट देखी गई है.

3-योगी सरकार भी कर चुकी है पहल

उत्तर प्रदेश की बढ़ती जनसंख्या को स्थिर करने के उद्देश्य से योगी आदित्यनाथ सरकार ने उत्तरप्रदेश जनसंख्या कानून पेश किया है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि जनसंख्या को स्थिर करना बेहद जरूरी है और बढ़ती जनसंख्या प्रमुख समस्याओं का मूल है. राज्य में वर्ष 2026 तक कुल प्रजनन 2.1 और वर्ष 2030 तक 1.9 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य रखा गया है. उत?तर प्रदेश जनसंख्या नीति को वर्ष 2022 से वर्ष 2030 तक लागू किया जाना है.

इस नीति के तहत सरकारी सुविधाओं को जारी रखने के इच?छुक अभिभावकों के लिये शर्तें रखी गई है, जिनकी दो से ज्यादा संतान हैं वे सरकारी नौकरी के पात्र नहीं होंगे. राशन कार्ड में भी केवल परिवार के चार सदस्यों के नाम ही दर्ज किये जायेंगे. ऐसे ही जो सरकारी नौकरी में है उन्हें इस आशय का शपथ पत्र देना होगा कि वह कानून नहीं तोड़ेंगे. दो से ज्यादा संतान होने पर पंचायत और स्थानीय निकायों के चुनाव लड़ने पर रोक होगी तथा दो से अधिक संतान होने पर सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिलेगा. इस तरह का कंपल्सन पंचायत चुनावों के लिए कई राज्यों में बनाई गई थी. पर वह सफल नहीं हो सकी है. इस योजना को लागू करने के लिये इच?छाशक्ति की जरूरत है.

इंदौर में बस ने निगम कर्मचारी को कुचला

ड्राइवर ने इधर-उधर देखे बगैर आगे बढ़ा दी बस; मौके पर ही कर्मचारी की मौत

इंदौर में यात्री बस ने ड्यूटी पर जा रहे नगर निगम के कर्मचारी को कुचल दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान राम प्रसाद मौर्य के रूप में की गई है।

हादसा शहर के आजाद नगर में सोमवार सुबह हुआ। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक रिंग रोड पर महाकाल ट्रेवल्स (ओरछा) की बस ने बाइक से जा रहे राम प्रसाद मोर्य को टक्कर मार दी। वीडियो में दिख रहा है कि गली में खड़ी बस सर्विस रोड के पास लाई जा रही थी। ड्राइवर ने दाएं और बाएं देखे बगैर ही बस आगे बढ़ा दी, इससे हादसा हो गया।

एक और बस खड़ी थी, इसलिए एक-दूसरे को नहीं देख पाए

पहली वाली बस को ड्राइवर गली से निकालकर जब सर्विस रोड पर लाया था, तभी वहां एक अन्य बस खड़ी थी। उसी बस के पीछे से निगम कर्मचारी राम प्रसाद आ रहे थे। संभवत- हादसे वाली बस के ड्राइवर और निगम कर्मचारी के बीच में दूसरी बस खड़ी होने से वे एक-दूसरे को देख ही नहीं पाए।

जैसे ही बस सर्विस रोड पर आगे बढ़ी, बाइक सवार निगम कर्मी सामने आ गया और हादसे का शिकार हो गया।

हादसे के बाद बस का ड्राइवर फरार हो गया

निगम कर्मचारी राम प्रसाद मौर्य के सामने आने पर भी बस ड्राइवर ने ब्रेक नहीं लगाया। हादसे के बाद ड्राइवर बस से उतरा और भाग गया। वहां मौजूद लोगों ने बस के स्टाफ को हादसे की जानकारी दी। तब बस को रिवर्स करके पीछे हटाया। तब तक राम प्रसाद की मौत हो चुकी थी।

घटनाक्रम की जानकारी आजाद नगर पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सीसीटीवी बरामद किए और शव को पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेज दिया है।

चश्मदीद बोले- बस ड्राइवर का ध्यान ही नहीं था

दरअसल, सर्विस रोड होने के कारण सड़क पर डिवाइडर की दीवार बनी हुई है। इस वजह से राम प्रसाद मौर्य को संभलने के लिए एक सेकंड का भी समय नहीं मिल सका। हादसे का सीसीटीवी सामने आने के बाद पुलिस ने बस ड्राइवर पर लापरवाही का केस दर्ज किया है।

चश्मदीद का कहना है कि जब ड्राइवर गली से गाड़ी को सर्विस रोड पर लाया तो उसने अगल-बगल देखने की कोशिश ही नहीं की। बस ज्यादा स्पीड में नहीं थी, ऐसे में ड्राइवर का ध्यान होता तो हादसा ही नहीं होता।

इंदौर के महिला कंपनी सेक्रेटरी को डिजिटल अरेस्ट रखा सायबर ठगों ने अकाउंट में डलवाए 7 लाख, जांच शुरू

इंदौर में ड्रग्स के नाम पर महिला कंपनी सेक्रेटरी को डिजिटल अरेस्ट करने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने इसकी शिकायत क्राइम ब्रांच से की है। उसने बताया कि बदमाशों ने तीन दिन तक उसे बंधक बनाए रखा। उससे कहा कि पार्सल में एमडी ड्रग्स मिला है। बदमाशों ने उसके अकाउंट से 7 लाख रुपए भी ट्रांसफर करा लिए। क्राइम ब्रांच ने जांच शुरू कर दी है।

क्राइम ब्रांच के एडीशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया के मुताबिक स्काइप एप पर वीडियो कॉल के माध्यम से सायबर ठगों ने निजी कंपनी की सेक्रेटरी को ठग लिया। युवती से सायबर ठगों ने दो अकाउंट में करीब 7 लाख से अधिक की अमाउंट ट्रांसफर करवा लिया।

बदमाशों ने पीड़िता से कहा कि आपके पार्सल में एमडी ड्रग्स मिला है। इसकी जांच की जा रही है। तब तक आप कैमरे के सामने ही रहें। नहीं तो आपके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

इस मामले में क्राइम ब्रांच को शिकायत मिलने के बाद एडिशनल डीसीपी ने एक अकाउंट फ्रीज करवा दिया। क्राइम ब्रांच के अफसर इस मामले में जांच कर रहे हैं।

युग पुरुष आश्रम; 13 बच्चों को डिस्चार्ज करने की तैयारी

किडनी की बीमारी के कारण एक बच्चा सुपर स्पेशियलिटी में रैफर

युग पुरुष आश्रम केस मामले में अब बच्चों की हालत में काफी सुधार है। अब तक कुल 89 में से 65 बच्चों को डिस्चार्ज किया जा चुका है। अभी 24 बच्चे एडमिट हैं। इनमें से 13 को आज डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। अनुमान है कि मंगलवार तक सभी बच्चे डिस्चार्ज कर दिए जाएंगे। इस बीच एक बच्चे को सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में रैफर किया गया है। उसके किडनी संबंधी समस्या है जिसकी जांच की जा रही है।

15 वर्षीय सुभाष नामक इस बच्चे को किडनी की कुछ समय से समस्या है। उसका क्रिएटिनिन भी बढ़ा हुआ है। चूंकि सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में नेफ्रोलॉजी संबंधी कुछ जांचें होती है। साथ ही नेफ्रोलॉजिस्ट भी हैं, इसके चलते रैफर किया है। वह यहां आईसीयू में एडमिट है। युग पुरुष संस्था की अध्यक्ष अनिता शर्मा ने बताया कि उन्हें भी इसकी जानकारी हाल ही में लगी है। सुभाष को पहले किडनी संबंधी समस्या नहीं थी।

इस मामले में दिल्ली आई केंद्रीय जांच टीम ने दोनों दिनों में काफी दस्तावेज और हार्ड डिस्क हासिल की है। इसके साथ ही रविवार शाम चाचा नेहरु अस्पताल का दौरा किया था। इसमें अधिकांश बच्चों के पेट में कीड़े होने की बात सामने आई थी। इसके साथ कुछ को हैजा तो कुछ एनीमिया है जबकि कुछेक इन्फेक्शन भी है। बहरहाल केंद्रीय टीम अब दिल्ली रवाना हो गई है।

संस्था ने मांगा एक हफ्ते का समय

इस केस में पिछले हफ्ते कलेक्टर आशीष सिंह ने संस्था को शोकाज नोटिस जारी कर तीन दिन का समय मांगा था। संस्था ने अपने जवाब में कहा है कि बच्चों को अस्पताल और दूसरी संस्थाओं में भेजने, आश्रम की मरम्मत, सुधार काम व्यस्तता है जिसके चलते एक हफ्ते में जवाब के लिए समय मांगा है।

आज आएंगे सैंपल की रिपोर्ट

उधर, जिला प्रशासन और नगर निगम द्वारा युग पुरुष और फिजिकल एकेडमी में फूड पायजनिंग के केस के बाद आश्रमों, होस्टलों सहित कई क्षेत्रों से खाद्य और पानी के 300 से ज्यादा सैंपल लिए थे। इनमें से तीन सैंपलों का मामला संदिग्ध होने की जानकारी मिली है। कलेक्टर ने बताया कि आज शाम तक सारी रिपोर्ट्स आ जाएगी। इसके बाद सारी स्थिति स्पष्ट होगी।

इंदौर में भाजपा समर्थित पूर्व सरपंच के पति की हत्या शरीर पर कुल्हाड़ी के निशान

इंदौर के सिमरोल में पूर्व सरपंच के पति की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी गई। उनका शव सोमवार सुबह नदी किनारे पड़ा मिला है। पूर्व सरपंच भाजपा से जुड़ी हैं। कारण और आरोपियों का खुलासा अभी नहीं हुआ है। मौके पर भारी भीड़ भी पहुंच गई जिसे पुलिस ने तितर-बितर किया है। सिमरोल पुलिस ने बताया चोरल निवासी दिलीप बुंदेला का शव नदी किनारे पड़ा मिला। शरीर पर कुल्हाड़ी के निशान हैं। दिलीप रविवार सुबह घर से निकले थे। उसके बाद नहीं लौटे।

यह संतुलन हमें अवश्य प्राप्त करना चाहिए, इसमें स्थिर होना चाहिए, और आप तब तक आगे बढ़ते रहें जब तक आप अपने तालू भाग में नहीं पहुंच जाते, जहाँ सदाशिव बैठे हुए हैं। आप इसका अनुभव ले सकते हैं। जो कुछ भी मैं कह रही हूँ, इसे आप स्वयं देख सकते हैं। आप इसे अच्छी तरह से जानते हैं। एक ही चीज है, कि जो कुछ भी मैं कह रही हूँ, आप सरलता से इसकी जांच कर सकते हैं। सहजयोग को अत्यंत सरलता से सत्यापित किया जा सकता है, और आप यह जानते हैं, कि आप अब केवल सत्य को जानते हैं, वह सत्य जो संपूर्ण है।

परम पूज्य माताजी श्री निर्मला देवी, 5 मार्च 2000

हमें दाईं ओर या बाईं ओर नहीं जाना, संतुलन में रहते हुए हमें मध्य से जाना है, क्योंकि हम मध्यमार्गी हैं

मैं आशा करती हूँ कि आप समझ गए होंगे कि यह कितना महत्वपूर्ण है कि आपके चक्र ठीक होने चाहिएं, आपका मार्ग बिल्कुल सही होना चाहिए, आपकी सुषुम्ना स्वच्छ होनी चाहिए क्योंकि हम मध्यमार्गी हैं। हमें मध्य से जाना होगा, मध्य मार्ग से, और हमें संतुलन में रहना होगा, बाईं ओर नहीं जाना और दाईं ओर नहीं जाना। यह संतुलन हमें अवश्य प्राप्त करना चाहिए, इसमें स्थिर होना चाहिए, और आप तब तक आगे बढ़ते रहें जब तक आप अपने तालू भाग में नहीं पहुंच जाते, जहाँ सदाशिव बैठे हुए हैं। आप इसका अनुभव ले सकते हैं। जो कुछ भी मैं कह रही हूँ, इसे आप स्वयं देख सकते हैं। आप इसे अच्छी तरह से जानते हैं। एक ही चीज है, कि जो कुछ भी मैं कह रही हूँ, आप सरलता से इसकी जांच कर सकते हैं। सहजयोग को अत्यंत सरलता से सत्यापित किया जा सकता है, और आप यह जानते हैं, कि आप अब केवल सत्य को जानते हैं, वह सत्य जो संपूर्ण है।₹

परम पूज्य माताजी श्री निर्मला देवी ।
5 मार्च 2000

परमात्मा द्वारा बनाए गए सभी प्राणियों में से आप सर्वोत्तम प्राणी हैं

₹आप सभी प्राणियों के उच्चतम प्रतीक हैं। धरती माँ के अंदर से उगने वाली कोई भी चीज वह कार्य नहीं कर सकती, जो आप कर सकते हैं। वह कुंडलिनी नहीं उठा सकती। नहीं, यह नहीं कर सकती। हो सकता है, थोड़ा बहुत असर हो, लेकिन यह उतनी शक्ति के साथ, उतनी निपुणता से काम नहीं करेगी। आप परमात्मा के द्वारा रचे गए एक अत्याधुनिक यंत्र की तरह हैं, अत्यंत निपुण और अत्यंत प्रभावशाली। और आपका यह मस्तिष्क, जब बीच में आ जाता है तो समस्या हो जाती है, और आपका यह मस्तिष्क, उस विराट के मस्तिष्क की तुलना में कुछ भी नहीं है। आपका मस्तिष्क कुछ भी नहीं है, अपितु यह एक छोटे से मच्छर की तरह है, यह ऊपर आता है, यहां-वहां आता-जाता है और कहता है, ₹ओह यह, यह, यह, यह, यह, यह₹, और तब समस्या शुरू हो जाती है। लेकिन अगर आप वास्तव में अपने अंदर की शक्ति का उपयोग करना शुरू कर देते हैं, तो आप पाएंगे कि परमात्मा ने आपको एक ऐसा सर्वोत्तम यंत्र बनाया है जो आप सोच भी नहीं सकते। और जैसे ही आप अपने इस यंत्र का उपयोग विवेकशीलता से और समर्पण या विनम्रता से करना शुरू करते हैं, तो धीरे-धीरे यह यंत्र और अधिक, और अधिक, और अधिक विकसित होता जाता है, और आप ज्यादा संवेदनशील पक्षों को विकसित करते हैं, या हम कह सकते हैं, आप इसमें नए तरीके विकसित करते हैं, और सहजयोग की कार्य प्रणाली के प्रति बेहतर, और अधिक अच्छी समझ विकसित करते हैं। - **4 मार्च 1983**

भगवान विष्णु को क्यों कहा जाता है नारायण

भगवान विष्णु को कई नामों से पुकारा जाता है। गुरुवार का दिन भगवान विष्णु की स्तुति में विशेष दिन माना जाता है। माना जाता है कि अगर आपका भाग्य आपका साथ नहीं दे रहा है या आपके कार्य अधूरे ही रहते हैं, तो आपको भगवान विष्णु की स्तुति करनी चाहिए।

गुरुवार के दिन जगत के पालनहार भगवान विष्णु की आराधना करने से आपके अधूरे कार्य भी पूरे होते जाते हैं। आपने कई बार सुना होगा कि भगवान विष्णु को नारायण भी कहा जाता है। वहीं, कई पुराणों में जहां-जहां जगत के पालनहार का उल्लेख किया गया है, वहां भगवान विष्णु को नारायण नाम से भी सम्बोधित किया जाता है। आइए, जानते हैं भगवान विष्णु को नारायण क्यों कहा जाता है। भगवान विष्णु को नारायण क्यों कहा जाता है पद्म पुराण के अनुसार, भगवान विष्णु जल में निवास करते हैं, इसी कारण उनके विशेष भक्त देवर्षि नारद उन्हें नारायण कहते थे। नारायण शब्द का अर्थ है जल जिसका प्रथम अयन हो। विष्णु पुराण के अनुसार भगवान विष्णु क्षीरसागर में रहते हैं, इसलिए उन्हें नारायण कहा जाता है। जल को संस्कृत में नीर कहा जाता है। नारायण शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है – नर यानी जल और अयन यानी स्थान। इस प्रकार, नारायण का अर्थ हुआ जल जिसका प्रथम अयन हो यानी रहने का स्थान हो, इस कारण से जल यानी क्षीरसागर में निवास करने के कारण भगवान विष्णु को नारायण कहा जाता है।

विष्णु नाम का अर्थ

विष्णु नाम का अर्थ है, जिस नर की आंखें कमल जैसी हो। इसके अलावा चतुर्भुजी और कौस्तुकमणि से सुशोभित होने की वजह से श्रीहरि का नाम भगवान विष्णु पड़ा।

हरि नाम का अर्थ

भगवान विष्णु सृष्टि से पालनकर्ता हैं, जो संसार के सारे दुख भी हर लेते हैं, इसलिए उन्हें हरि नाम से भी सम्बोधित किया जाता है।

अच्युत नाम का अर्थ

भगवान विष्णु के इस नाम का अर्थ होता है, ऐसा दिव्य पुरुष जो अमर हो और जिसे नष्ट न किया जा सके।

पुरुषोत्तम नाम का अर्थ

भगवान विष्णु को पुरुषोत्तम भी कहा जाता है। पुरुषोत्तम नाम के अर्थ की बात करें, तो इसका अर्थ होता है पुरुषों में सबसे श्रेष्ठ।

सलोनी त्यागी से दो कदम आगे हैं मिर्जापुर-3 की शबनम यानी

शेरनवाज जिजिना

मिर्जापुर 3 को हाल ही में रिलीज किया गया है। वेब सीरीज की कहानी के साथ-साथ स्टार कास्ट के बारे में खूब चर्चा हो रही है। खासतौर पर साइड रोल में नजर आने वालीं नेहा सरगम (सलोनी त्यागी) और शेरनवाज जिजिना यानी (शबनम लाला) के बारे में सलोनी के बाद हम आपको मिर्जापुर 3 की शबनम के बारे में बताने जा रहे हैं।

नई दिल्ली। ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो की पेशकश मिर्जापुर 3 के बारे में इस समय खूब बातचीत हो रही है। गुड्डू पंडित (अली फजल) और कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी) के किरदारों ने एक बार फिर से दर्शकों का दिल जीत लिया है। इसके अलावा सीरीज के इस सीजन में साइड रोल में नजर आने वालीं शेरनवाज जिजिना यानी शबनम लाला ने भी हर किसी को प्रभावित किया है।

मिर्जापुर 3 की सलोनी त्यागी (नेहा सरगम) के बाद अब शेरनवाज भी लाइमलाइट में आ गई हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि वह कौन हैं और असल जिंदगी में मिर्जापुर की शबनम कितनी हॉट दिखती हैं।

कौन हैं मिर्जापुर की शबनम

29 वर्षीय शेरनवाज जिजिना का जन्म साल 1995 में मायानगरी मुंबई में हुआ था। बचपन से ही उनको एक्टिंग का शौक रहा है और उन्होंने एक अभिनेत्री बनकर अपने शौक को पेशेवर तौर पर बदला है। वेब सीरीज मिर्जापुर से ही शेरनवाज को असली पहचान मिली है।

इस सीरीज में उन्होंने अफीम के कारोबारी रऊफ लाला की बेटी शबनम लाला की भूमिका निभाई है, जो गुड्डू पंडित के प्यार में पड़ जाती है। मिर्जापुर सीजन 3 में शेरनवाज जिजिना ने अपनी अदाकारी से हर किसी का दिल जीत लिया है।

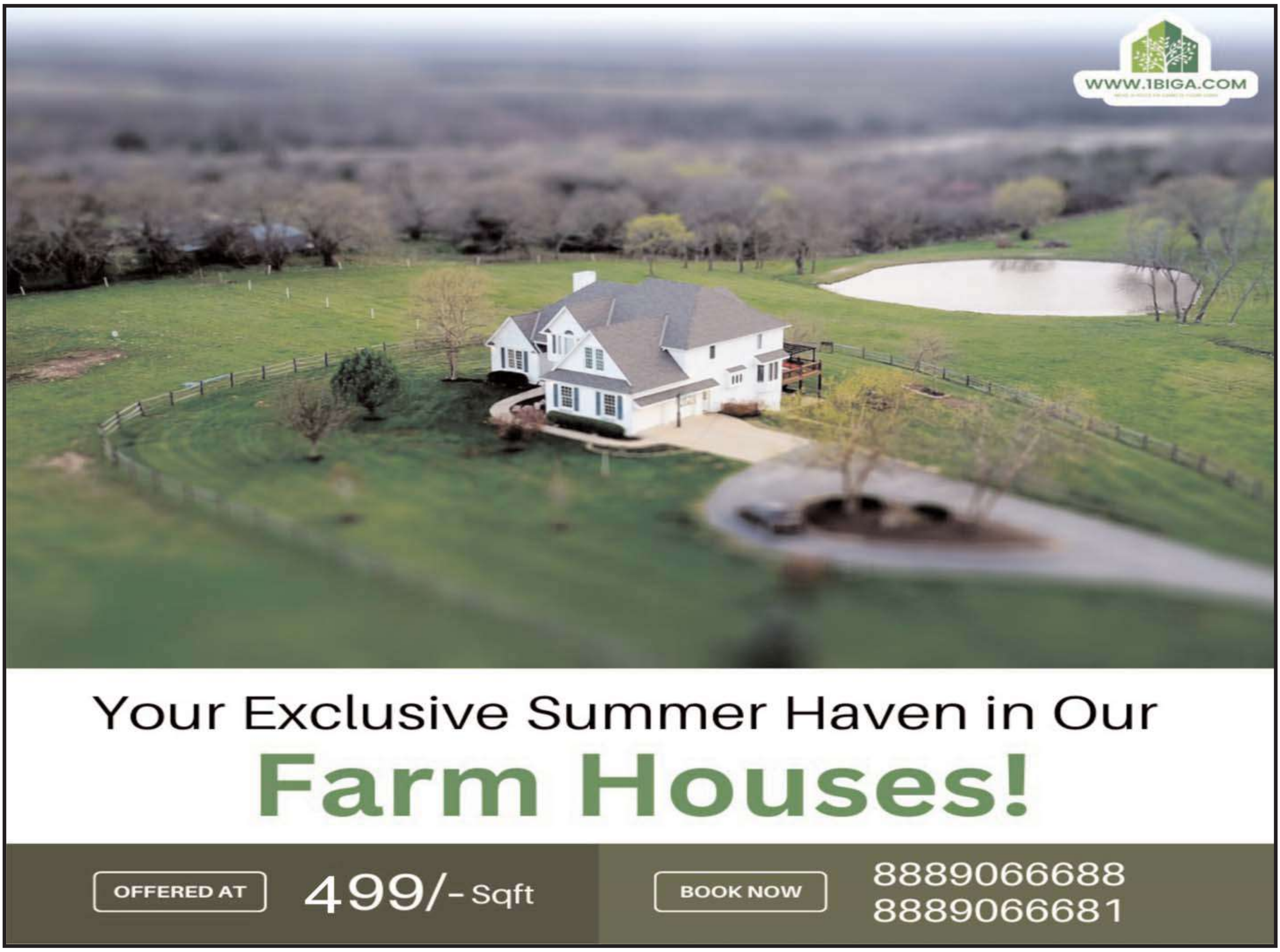

भारत और जिम्बाब्वे के बीच तीसरे टी20 से बदल जाएगा स्क्वॉड

टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाले खिलाड़ी होंगे टीम इंडिया का हिस्सा

IND vs ZIM 3rd T20: चैंपियन टीम का हिस्सा रहे संजू सैमसन, यशस्वी जायसवाल और शिवम दुबे जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे टी20 से टीम इंडिया का हिस्सा होंगे.

भारत और जिम्बाब्वे के बीच खेली जा रही पांच मैचों की टी20 सीरीज 1-1 की बराबरी पर है. पहले मैच में जिम्बाब्वे ने टीम इंडिया को शिकस्त दी और फिर दूसरे टी20 में भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे को हराकर हिसाब बराबर कर लिया. अब बुधवार, 10 जुलाई को दोनों टीमों के बीच तीसरा टी20 खेला जाना है. इससे पहले टी20 विश्व कप विजेता टीम के कई खिलाड़ी टीम इंडिया से जुड़ गए हैं.

इन खिलाड़ियों की हुई एंट्री

दरअसल, अभी तक जो टीम थी वो सिर्फ पहले दो टी20 मैचों के लिए थी. अब तीसरे टी20 से भारत का स्क्वॉड कुछ अलग होगा. तीसरे, चौथे और पांचवें टी20 के लिए ओपनर यशस्वी जायसवाल, विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन और ऑलराउंडर शिवम दुबे टीम इंडिया का हिस्सा होंगे.

अब प्लेइंग इलेवन के लिए करना पड़ेगी माथापच्ची

शिवम दुबे, संजू सैमसन और यशस्वी जायसवाल के आने पर प्लेइंग इलेवन का चयन करना कप्तान शुभमन गिल और कोच वीवीएस लक्ष्मण के लिए बिल्कुल भी आसान नहीं होने वाला है. अब किसे बैठाया जाए और किसे टीम में लाया जाए, इसके लिए कोच और कप्तान को काफी माथापच्ची करनी पड़ सकती है.

बचे हुए तीन टी20 के लिए भारतीय टीम- शुभमन गिल (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़, रिंकू सिंह, यशस्वी जायसवाल, रियान पराग, अभिषेक शर्मा, शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), रवि बिश्नोई, आवेश खान, खलील अहमद, मुकेश कुमार और तुषार देशपांडे.

हरारे में ही खेले जाएंगे बाकी तीनों टी20

भारत और जिम्बाब्वे के बीच अब तीसरा टी20 मैच 10 जुलाई को, चौथा टी20 मैच 13 जुलाई को और पांचवां व अंतिम टी20 मैच 14 जुलाई को खेला जाएगा. ये सभी मैच हरारे स्पोर्टस क्लब में ही खेले जाएंगे. पहला और दूसरा टी20 मैच भी हरारे स्पोर्ट्स क्लब के मैदान पर ही खेला गया था.

बचे हुए मैचों का शेड्यूल

तीसरा टी20- बुधवार (10 जुलाई)
चौथा टी20- शनिवार (13 जुलाई)
पांचवां टी20- रविवार (14 जुलाई)

समर्थन मूल्य पर किसानों को बोनस भुगतान के लिये 1000 करोड़ रूपये का बजट - खाद्य मंत्री श्री राजपूत

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के बजट में 36 प्रतिशत वृद्धि का प्रावधान

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने कहा है कि समर्थन मूल्य पर किसानों से फसल उपार्जन पर बोनस के भुगतान के लिए एक हजार करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा है कि विभाग को गत वर्ष की तुलना में 36 प्रतिशत अधिक बजट मिला है।

मंत्री श्री राजपूत ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में बनाये गए बजट में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के लिए पर्याप्त बजट का प्रावधान किया गया है। इससे विभागीय योजनाओं को हितग्राहियों तक पहुँचाने में मदद मिलेगी।

लाड़ली बहनों को 450 रूपये में गैस सिलेंडर

मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि लाड़ली बहनों को 450 रूपये में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री उज्वला योजना में 89 लाख हितग्राहियों को निश्शुल्क गैस कनेक्शन उपलब्ध कराये गए हैं। गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले ऐसे हितग्राही जो प्रधानमंत्री उज्?वला योजना के लाभ से वंचित रह गये हैं, उन्हें राज्य सरकार की गैर उज्?वला योजना में शामिल किया गया है। इन दोनों योजनाओं के लिए 520 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है।

समिति विक्रेताओं के मानदेय में 3000 की वृद्धि

मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि पैक्स एवं लैम्प्स समिति के विक्रेताओं के मानदेय में 3 हजार रूपये की वृद्धि की जा रही है। इससे 13 हजार से अधिक विक्रेताओं को लाभ मिलेगा। इसके लिये बजट में 71 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

स्मार्ट पीडीएस योजना शुरू करेंगे

बजट में नवीन योजना के रूप में स्मार्ट पीडीएस योजना शुरू करने का निर्णय लिया गया है। योजना मेंसार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिये सर्वर को अत्याधुनिक सुविधायुक्त बनाया जायेगा। इसके लिये 10 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। छात्रावासों में रहने वाले अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों को रियायती दर पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने के लिए बजट में 13 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। उन्हें गेहूँ पर 4 रूपये किलो तथा चावल पर साढ़े पाँच रूपये प्रति किलो सब्सिडी दी जाएगी। प्रदेश में 1 करोड़ 23 लाख पात्र परिवारों को हर माह 1 रूपये प्रति किलो में आयोडीन/आयरन युक्त डबल फोर्टीफाइड नमक का वितरण कर रहे हैं। इसके अलावा 33 जिलों के 57 लाख पात्र परिवारों को 1 रूपये प्रति किलो में डबल फोर्टीफाइड युक्त नमक का वितरण की योजना पर कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री राशन आपके ग्राम योजना के तहत बजट में 15 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इस व्यवस्था से हम 20 आदिवासी जिलों के 89 विकासखण्डों में 7 लाख 13 हजार परिवारों को मोबाइल वाहन द्वारा राशन का वितरण कर सकेंगे।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने इंदौर में लगाया पौधा बोले- एक पेड़ मां के नाम अभियान देश को प्रेरणा देगा; पार्षदों को दिए टिप्स

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला मंगलवार 9 जुलाई को एक पेड़ मां के नाम अभियान में शामिल हुए। उन्होंने बिजासन फारेस्ट कैम्प में पौधरोपण किया। उनके साथ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, वन मंत्री नागरसिंह चौहान, विधायक रमेश मेंदोला भी मौजूद थे।

इससे पहले मंगलवार सुबह रेसीडेंसी में मीडिया से बात करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि इंदौर अध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आंदोलन की धरती है। जो हमेशा देश को प्रेरणा देता है। पीएम ने जलवायु परिवर्तन को चुनौती के रूप में देखा है। पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली को पूरा विश्व अपना रहा है। इसी से हम पर्यावरण की चुनौतियों से लड़ पाएंगे। एक पेड़ मां के नाम एक सामाजिक आंदोलन है। इंदौर से शुरू हुआ यह अभियान देश के सभी गांव-शहर को प्रेरणा देगा।

एमआईसी सदस्यों की बैठक ली बैठक

बिरला नगर निगम के नए अटल परिषद हॉल में पार्षदों से मुखातिब हुए और सदन के संचालन, सवालों के प्रस्तुतिकरण संबंधी टिप्स भी दिए। लोकसभा स्पीकर बिरला ने कहा कि सदन में शोर शराब से कोई हल नहीं निकलता। जनता के हित की बातों को सदन में शान्ति से रख के उस पर चर्चा करना ही सही तरीका है। हमारी सभा कैसे चलती है। कैसे आम जनता की समस्या के मुद्दों पर बात हो रही है यह जरूरी है। हमारी जिम्मेदारी है कि लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के प्रति जनता का विश्वास बना रहा है। सभी माननीय सदस्यों का जनता से सीधा संवाद रहता है। और जनता यह उम्मीद रखती है कि उनकी समस्याओं को सदन में रखा जाए।

मयूर हॉस्पिटल में तोड़फोड़, 18 दिन बाद एफआईआर

मरीज की तबीयत बिगड़ी तो स्टाफ को पीटा, आग लगाने की धमकी दी

इंदौर के मयूर अस्पताल के डायरेक्टर की शिकायत पर पुलिस ने 18 दिन बाद दो आरोपियों पर तोड़फोड़ और मारपीट का केस दर्ज किया है। खजराना पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक पुलिस ने मयूर अस्पताल के डायरेक्टर रियाज सिद्दीकी की शिकायत पर मोहम्मद अकील और मोहम्मद रहीम पर केस दर्ज किया है।

सिद्दीकी ने बताया कि शेख रशीद (59) निवासी भूरी टेकरी को 14 जून को एमवाय अस्पताल से मयूर अस्पताल में शिफ्ट किया गया। उन्हें आंतों में बीमारी थी। 20 जून को उनकी तबीयत बिगड़ी और आईसीयू में शिफ्ट किया गया। उनके बेटे शेख अकील और भांजे मोहम्मद रहीम को जानकारी दी गई। तबीयत में सुधार नहीं होने पर दोनों ने अस्पताल में तोड़फोड़ की। अस्पताल में आग लगाने की धमकी भी दी। डायरेक्टर रियाज सिद्दकी के असिस्टेंट राजेश साद, नर्सिंग स्टाफ रामकुमार कासवान, फ्रंट ऑफिसर स्टाफ नवीन पाटीदार, सिक्योरिटी गार्ड रामसिंह के साथ मारपीट की। इनकी धमकी और तोड़फोड़ से डरकर स्टाफ के कुछ लोग वहां से भाग गये।डायल 100 को मामले में सूचना दी गई। पुलिस के पहुंचने पर परिजन शांत हुए। लेकिन हास्पिटल का पेमेंट दिए बिना चले गए। बाद में रियाज सिद्दिकी ने पुलिस को पूरे मामले की जानकारी देते हुए आवेदन दिया। उसमें मेडिकल प्रोटक्शन के तहत कार्रवाई की मांग की गई।

वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन रानी पद्मावती उद्यान का उद्घाटन

इंदौर। विगत कई वर्षो से जितेंद्र सिंह पवार एवं करणी सेवा के पदाधिकारियों द्वारा वृक्षारोपण का कार्य निरंतर किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज सांवेर रोड स्थित रिंगनोडिया पर वृहद् रूप से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर पूर्व में किए गए वृक्षारोपण, जो अब जंगल का रूप ले चुके थे, को उद्यान का नाम रानी पद्मवती उद्यान दिया गया।

इस अवसर पर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के ज़िला अध्यक्ष जितेंद्र सिंह पवार के जन्मदिन पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में करणी सेना भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह गौतम, सुमेर सिंह सोलंकी, गोलू ठाकुर, बंटी ठाकुर, वीजेंद्र सिंह, प्रवीण सिंह चौहान, बीटू सिंह, शिशुपाल सिंह राजपूत, छतर सिंह भाटी सहित करणी सेना के पदाधिकारी एवं मित्रगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान सभी ने वृक्षारोपण की महत्ता पर प्रकाश डाला और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपने संकल्प को दोहराया। जितेंद्र सिंह पवार ने सभी उपस्थित लोगों का धन्यवाद ज्ञापित किया और इस प्रकार के आयोजन को भविष्य में भी निरंतर जारी रखने का आश्वासन दिया।वृक्षारोपण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी से यह सिद्ध हुआ कि समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ रही है और लोग इस दिशा में सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए तत्पर हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)